डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(नेशनल अकादमी ऑफ़ लेटर्स)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्योत्सव 15–20 फ़रवरी 2016

नई दिल्ली 12 फ़रवरी 2016। साहित्य अकादेमी 15–20 फ़रवरी 2016 के मध्य रवींद्र भवन परिसर, नई दिल्ली में अपना वार्षिक साहित्योत्सव आयोजित कर रही है। इस वर्ष का उत्सव आदिवासी, वाचिक एवं उत्तर–पूर्वी साहित्य पर केंद्रित है। भारत के उत्तर–पूर्वी भागों में आदिवासी एवं वाचिक साहित्य के लिए साहित्य अकादेमी के केंद्र पहले से ही मौजूद हैं। हाल ही में, भारत भर में आदिवासी एवं वाचिक परंपराओं को संरक्षित तथा प्रोत्साहित करने के हमारे प्रयास के अंतर्गत हमने दिल्ली में एक अन्य केंद्र शुरू किया है। इसी दिशा में निरंतर आगे बढ़ते हुए इस बार के उत्सव में हमने 'आदिवासी भाषा काव्योत्सव' को शामिल किया है तथा भारत की अलिखित भाषाओं पर एकदिवसीय परिसंवाद भी आयोजित कर रहे हैं।

उत्सव का आरंभ विख्यात ओड़िया लेखक एवं अकादेमी के महत्तर सदस्य डॉ. मनोज दास द्वारा 15 फ़रवरी 2016 को पूर्वाह्न 10.00 बजे अकादेमी प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ होगा। इसके पश्चात् अपराह्न 2.00 बजे आदिवासी भाषा काव्योत्सव आयोजित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत देश भर से आदिवासी कवि सम्मिलित होंगे, जो अपनी मातृभाषाओं के साथ–साथ हिंदी या अंग्रेज़ी अनुवाद के साथ अपनी कविताओं का पाठ करेंगे। इस काव्योत्सव का उद्घाटन प्रख्यात विद्वान एवं शिक्षाविद् प्रो. मृणाल मिरी द्वारा किया जाएगा।

साहित्य अकादेमी पुरस्कार अर्पण समारोह का आयोजन फ़िक्की स्वर्ण जयंती सभागार में 16 फरवरी 2016 को सायं 5.30 बजे किया जाएगा। पुरस्कार साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी द्वारा प्रदान किए जाएँगे तथा प्रख्यात उर्दू विद्वान एवं साहित्य अकादेमी के महत्तर सदस्य डॉ. गोपी चंद नारंग पुरस्कार अर्पण समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

पुरस्कार अर्पण के पश्चात् 17 फ़रवरी 2016 को 'लेखक सम्मिलन' आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष का संवत्सर व्याख्यान प्रख्यात न्यायविद् एवं विशिष्ट गाँधी विचारक डॉ. चंद्रशेखर धर्माधिकारी द्वारा उसी दिन शाम को दिया जाएगा।

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in

18–20 फ़रवरी 2016 के दौरान 'गाँधी, अंबेडकर, नेहरू : निरंतरता और अलगाव' विषय पर त्रिदिवसीय संगोष्ठी अकादेमी सभागार में आयोजित की जाएगी। इस संगोष्ठी का उद्घाटन विख्यात विदुषी डॉ. कपिला वात्स्यायन द्वारा किया जाएगा, जबकि प्रख्यात विद्वान एवं शिक्षाविद् प्रो. कृष्ण कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे। यह संगोष्ठी आधुनिक भारत के तीन निर्माताओं पर केंद्रित है, जिनके दर्शन एवं विचार पहले की अपेक्षा आज अधिक प्रासंगिक हैं।

19 फ़रवरी 2016 को भारत की अलिखित भाषाओं पर एकदिवसीय परिसंवाद तथा 20 फ़रवरी 2016 को 'अनुवाद चेतना और भारतीय साहित्यिक परंपराएँ' विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की जाएगी।

पूरे भारत से मनोज दास, कपिला वात्स्यायन, एस.एल. भैरप्पा, भालचंद्र नेमाड़े, गोपी चंद नारंग, के. सच्चिदानंद, चंद्रशेखर धर्माधिकारी, इंद्रनाथ चौधुरी, कृष्ण कुमार, विवेक शानबाग़, महेंद्र कुमार मिश्र तथा देवी प्रसन्न पट्टनायक जैसे 170 से अधिक विशिष्ट विद्वान/ लेखक इस छह दिवसीय साहित्योत्सव में सम्मिलित होंगे।

साहित्योत्सव में 'युवा साहिती : युवा लेखक उत्सव' (17 फ़रवरी 2016), 'पूर्वोतरी : उत्तर–पूर्व और उत्तरी लेखक सम्मिलन' (18 फ़रवरी 2016) तथा 'आओ कहानी बुनें : बाल साहित्यिक गतिविधियाँ' (20 फ़रवरी 2016) जैसे नियमित कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएँगे।

इस वर्ष के उत्सव में निम्नलिखित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन निर्धारित किया गया है – पद्मपुर संगीत समिति, ओड़िशा द्वारा कर्मा नृत्य (15 फ़रवरी 2016, सायं 6.00 बजे), जवाहरलाल नेहरू मणिपुर डांस अकादमी, इंफ़ाल द्वारा रासलीला और पुंग चोलम (16 फ़रवरी 2016, सायं 6.30 बजे), निज़ामी बंधुओं द्वारा कव्वाली (18 फ़रवरी 2016, सायं 6.00 बजे), अंतर्राष्ट्रीय कथकली केंद्र द्वारा कथकली शैली में ओथेलो की प्रस्तुति (19 फ़रवरी 2016, सायं 6.00 बजे) तथा युवा मिज़ो एसोसिएशन, आइज़ोल द्वारा चिराव बाँस नृत्य (20 फ़रवरी 2016, प्रातः 11.00 बजे) की प्रस्तुतियाँ।

(के. श्रीनिवासराव)